शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में हिन्दी सप्ताह - 2021 का आयोजन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में हिन्दी सप्ताह **(14 से 20 सितंबर, 2021)** का आयोजन हुआ। दिनांक 14/09/2021 को **'हिन्दी दिवस'** पर हिन्दी सप्ताह -2021 का समारंभ हुआ। इस अवसर पर संस्थान निदेशक श्री एम.आर.बालोच,भा°व°से° ने सभागार में उपस्थित कार्मिकों को 'राजभाषा प्रतिज्ञा' दिलवाई। माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के ऑडियो व वीडियो संदेश को प्रसारित किया गया। संस्थान के सहा.निदेशक (राजभाषा) ने सभी को हिन्दी सप्ताह के दौरान होने वाली प्रतियोगिताओं राजभाषा बोध, हिन्दी टिप्पण- आलेखन, हिन्दी टंकण सामान्य व सारांश(यूनिकोड समर्थित), स्वरचित कविता-पाठ की जानकारी दी। हिन्दी दिवस के दिन राजभाषा प्रतिज्ञा, माननीय गृह मंत्री के संदेश एवं हिन्दी दिवस पर संस्थान निदेशक की अपील को सभी संस्थान कार्मिकों को ई-मेल से परिचालित किया गया तथा हिन्दी लेखकों व विचारकों की सूक्तियों का सूचना पट्ट पर प्रदर्शन भी किया गया। समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान निदेशक ने 'हिन्दी दिवस' के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए संस्थान में राजभाषा नीति के अनुसार सरकारी कामकाज को बढ़ावा दिये जाने का आग्रह करते हुए हिंदी सप्ताह-2021 के समारंभ की औपचारिक घोषणा की तथा हिंदी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया।

'हिन्दी दिवस' पर राजभाषा प्रतिज्ञा लेते हुए संस्थान कर्मी

हिंदी सप्ताह-2021 के दौरान हिंदी टंकण (सामान्य) एवं सारांश (यूनिकोड), हिंदी टिप्पण आलेखन, हिन्दी राजभाषा बोध,स्वरचित कविता - पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

हिंदी सप्ताह के दौरान हिन्दी राजभाषा बोध प्रतियोगिता का दृश्य

हिन्दी सप्ताह-2021 का समापन समारोह दिनांक 20/09/2021 को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. आईदान सिंह भाटी, हिंदी तथा मारवाड़ी के जाने माने कवि रहे। संस्थान निदेशक ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच

हिंदी सप्ताह समापन समारोह अवसर पर स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लेकर विविध विषयों पर रचित अपनी- अपनी कविताओं का पाठ किया।

संस्थान के सहा° निदेशक(राजभाषा) ने वर्ष 2020-21 की संस्थान की हिंदी राजभाषा प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख किया साथ ही उन्होने हिंदी के प्रयोग में व्याकरण की शुद्धता का ध्यान रखे जाने की बात कही।

हिंदी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सहा.निदेशक(राजभाषा)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक (शोध), डॉ. जी.सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विज्ञान में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिलना चाहिए तथा हिंदी की प्रगति हेतु सभी से मिल जुलकर कार्य करने की जरूरत बताई।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.जी. सिंह

संस्थान के निदेशक श्री माना राम बालोच, भा.व.से. ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गांधी जी ने हिंदी के राजभाषा के साथ राष्ट्र भाषा होने का भी सपना 1918 में देखा था। हिंदी के इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी एक समृद्ध भाषा है तथा वर्तमान में हिंदी की प्रगति/फैलाव में दूरसंचार,डाकघर,मोबाइल,रेलवे का बहुत बड़ा योगदान है। आपने ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में स्थान पाने वाले विभिन्न शब्दों के समावेशन का जिक्र किया। अपने उद्बोधन के अंत में संस्थान निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए वैज्ञानिक शोध कार्यों में हिंदी के प्रचार-प्रसार की महत्ता प्रतिपादित की।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान निदेशक

डॉ. आईदान सिंह भाटी ने अपने अतिथि सम्बोधन में इस समारोह में उपस्थित रहने की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जैसे देश में विभिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं उनमें राजभाषा हिन्दी का अपना अलग ही स्थान है हमारे लिए हर दिन हिन्दी दिवस के तुल्य होना चाहिए। हिंदी के व्यावहारिक पक्ष को हमारे

कवियों ने जीवन पद्धति के रूप में सिखाया है तथा उसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आत्मसात करना होगा। आपने राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर एवं जयशंकर प्रसाद की कविताओं के कुछ अंशों का भी उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि सब भाषाओं को सीखना चाहिए मगर अपने घर-आँगन की भाषा का जो हमारे साथ जुड़ाव होता है उसे हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महोदय ने संस्थान के डॉ.नवीन कुमार बौहरा वैज्ञानिक–सी एवं जन संपर्क अधिकारी को शोध कार्यो में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करने और संस्थान की गतिविधियों का हिंदी में प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया साथ ही मुख्य अतिथि महोदय ने हिन्दी सप्ताह-2021 के दौरान हुई हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

डॉ. नवीन कुमार बौहरा, वैज्ञानिक-सी को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए

समापन समारोह के दौरान आभार ज्ञापन श्री अजय वशिष्ठ, क° अनुवादक ने किया।

हिन्दी सप्ताह कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के संबंध में जारी दिशा निर्देशों का ध्यान रखा गया।

हिन्दी सप्ताह-2021 की कुछ झलकियाँ

हिन्दी सप्ताह
14-20 सितम्बर, 2021

हिन्दी सप्ताह
14-20 सितम्बर, 2021
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

मीडिया कवरेज

आफरी में हिन्दी सप्ताह के तहत होंगे अनेक कार्यक्रम

सरगरा संदेश

जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में 20 सितम्बर तक हिन्दी सप्ताह मनाया जाएगा। सप्ताह के शुभारंभ पर आफरी निदेशक एमआर बालोच ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रति कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलाई। आफरी के हिन्दी अधिकारी कैलाशचन्द गुप्ता ने बताया कि हिन्दी सप्ताह के आयोजन मे हिंदी टंकण (सामान्य एवं सारांश), हिंदी टिप्पण-आलेखन, राजभाषा बोध प्रतियोगिता एवं स्व रचित कविता-पाठ आदि प्रतियोगिताए रखी गई है। समापन समारोह बीस सितंबर को मनाया जाएगा। इस दिन प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

आफरी में कई प्रतियोगिताएं हुई

जोधपुर, (कासं)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, में हिन्दी सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। आफरी निदेशक एम.आर.बालोच,भा.व.से. ने बताया कि हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए हिन्दी सम्बन्धी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। हिंदी प्रतियोगिताओं के आयोजन का मूल उद्देश्य हिंदी के प्रयोग का संवर्धन किया जाना है तथा हिंदी में कार्य कर संवैधानिक दायित्व का निर्वहन किया जाना है। सहायक निदेशक(राजभाषा) कैलाश चन्द गुप्ता ने बताया कि सरकारी कामकाज में हिन्दी(राजभाषा) के प्रयोग को बढावा दिए जाने के प्रयोजन से हिंदी सप्ताह के दौरान सामान्य टंकण तथा यूनिकोड आधारित टंकण प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। मूल रूप से हिंदी में मौलिक लेखन कार्य को बढावा देने के लिए टिप्पणी लिखने तथा पत्र लेखन के अभ्यास के लिए प्रतियोगिता रखी गई। राजभाषा हिंदी की जानकारी तथा सरकारी कामकाज में व्यवहार में लिए जाने के आशय से राजभाषा नीति-निर्देशों से अवगत कराने तथा उनकी जानकारी होने की समीक्षा के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं के दौरान हिंदी टंकण सामान्य में 5, सारांश में 6, टिप्पण आलेखन में 6 तथा राजभाषा बोध में 8 कर्मचारियों ने भाग लिया। समापन समारोह 20 सितम्बर को होगा जिसमें प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

भाषा संस्कृति का प्रतिरूपः डॉ. भाटी

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन

जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज

जोधपुर। हिन्दी के व्यवहारिक पक्ष को हमारे कवियों ने जीवन पद्धति के रूप में सिखाया है तथा उसे वर्तमान परिपेक्ष्य में आत्मसात करना होगा। यह उद्‌गार वरिष्ठ कवि एवं विद्वान आईदान सिंह भाटी ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में व्यक्त किए।

भाटी ने कहा कि भाषा केवल बोलने की ही नहीं वरन् संस्कृति का प्रतिरूप भी है। आज हमें हमारे प्रसिद्ध महाकवियों के ज्ञान से प्रेरणा लेकर हिन्दी को और अधिक समृद्ध बनाना होगा। इस अवसर पर आफरी निदेशक एमआर बालोच ने हिन्दी के इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि हिन्दी देश के लगभग सभी क्षेत्रों में बोली एवं समझी जाती है यह एक समृद्ध भाषा है तथा इसको अधिकाधिक कार्य करने एवं बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिक शोधों के हिन्दी में प्रचार प्रसार की महत्ता प्रतिपादित की। बालोच ने आफरी द्वारा हिन्दी में किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह ने हिन्दी की प्रगति हेतु सभी से मिल जुलकर कार्य करने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में आफरी के सहायक निदेशक (राजभाषा) कैलाश चन्द गुप्ता ने हिन्दी का वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया। हिन्दी अनुवादक अजय वशिष्ठ ने कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आफरी के वैज्ञानिक एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. एनके बोहरा को उनके हिन्दी के प्रति कार्यों हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया।